

89

89

स्वस्ति श्रीसम्बत २६२ मीनी चैत वदी ५ रोज ४ एकदिनमात्रे
षिदीया हो सुभमस्तु



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
मय्यग्रे प्रपन्नो विजयति ॥
विजयति यस्तु नीका इत्याह
जयन्तु सर्वे लोका मया ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

वज्रप्रपन्नो भगवान् इति ॥ ४ ॥
गुणानां लक्षणं विदुः ॥ ५ ॥
लक्षणं तान्नमो भगवते ॥ ६ ॥
॥ इति कथितं भगवत्पुत्रं ॥
दमोदनीने वीर्यविरहसूत्रं ॥

यिहिना ॥ १ ॥ उल्लालयदिवसकने इत्याह नमो भगवते ॥ २ ॥
जगदयं कथयते ॥ ३ ॥ पदमूला इत्याह भगवते ॥ ४ ॥
कथयते नार्थसाधयते नार्थवद्वे ॥ ५ ॥
कथयते नार्थसाधयते नार्थवद्वे ॥ ६ ॥
कथयते नार्थसाधयते नार्थवद्वे ॥ ७ ॥
कथयते नार्थसाधयते नार्थवद्वे ॥ ८ ॥
कथयते नार्थसाधयते नार्थवद्वे ॥ ९ ॥
कथयते नार्थसाधयते नार्थवद्वे ॥ १० ॥

नां कृष्णाय कस्तूरगणसाहिनाय सर्वसत्त्वा नाम नूतनं हलायकाया ७ ॥ युकाऽयः
कुसुमं द्वाह गवान् ज्जला कृताद्गु नाम हस्तमयत्वं हृदयं विदुः साधुयविलेपना ८ ॥
हस्तवने हस्तनकायस्य मस्तकस्य गीर्वाणस्य मस्तकस्य हस्तनकायस्य हस्तमस्तकस्य हस्तं २
॥ १० ॥ गाम्भीर्यात् नाना नार्थमसाध्या मस्तकादिना शक्तिमस्तकानां नाम मस्तका
निर्मलानां ११ ॥ यानि ते लोचिना वदेत् लोचिना वदेत् नाना गतायुस्तथा त्रास्य संवृद्धाया

लघुनाय नमः ॥ १२ ॥ मायाजालमहागं गुणा वासी संयमि यत्तमहावज्रचनेः
हृदये नमः यत्तमहागिरेः ॥ १३ ॥ श्रद्धयेनं च त्रयि व्याप्ति निर्यातं च दृष्टाय
यथा हवा मयं नाथ सर्वसं वदेत् कृष्णाय ॥ १४ ॥ युकाऽयि यत्तमहा नां यथा मय
यि यत्तमहागिरेः हृदये कस्तूरगणसाय श्रद्धया हस्तनकाय ॥ १५ ॥ चवं मय यत्तमहा वज्र
यानि तथैव गन्तव्यं जनि यदा हवायुः कस्तूरगणसाय श्रद्धया ॥ १६ ॥ श्रद्धया मय

थाथा उडाः॥ ॥ अथ सायकमनि रगवां नमं द्वा द्वियवारुमच निन्नमर्यायः
 गालिगायजि कायसुखाय ॥ १ ॥ मिमं संदडी लाका नां मया सुगय हस च नां रे नाकाह
 सकनदां वुत्तुमि नाति इम डी नं ॥ २ ॥ ने लाकमाय नय न्या म च नया गि नायु ख ला ॥ ३
 यन गु वुत्तु वजया धि म ला वल ॥ ३ ॥ सा वुत्तु च न डी मा सा च न वजया नय य ह
 जगदिना थय म हा क र हा या थि ॥ ४ ॥ म हा थ ना म हा गी निया विना म च ना हा नि म

डी कान कायय म लु इम डी म सु यन ॥ ५ ॥ न सा च द डी या म ड वुत्तु वुत्तु च का थिया
 छ न ल म का ग म ना न सा च र ग वा नि नि ॥ ६ ॥ ॥ य नि व च न ग म थ व ड ॥ ॥
 अथ इम क म नि र ग वा नु क न म लु क म म र ग म ना वि या च नं क लं य व ना क क ल ग यं
 ॥ ॥ ना क ला क न लं क नं का नो ना क क ल म र ग म हा म हा क मं या गं म हा वुत्तु व क ग म
 हा ॥ ॥ व ड क ल ना क न ग म थ व ड ॥ ॥ ॥ मां व लु ना जा नं मं र का म व या

दया नृत्वा दधर्मनी गथा शत नमसिनाम्यते ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

॥ शक्तिरूपश्च नादिल ॥ ११ ॥ विशाचलनसमन्वितसूत्रगोलाकाविल्यजनिर्ममनिल
 संकालसत्यद्वयनयस्त्रिग ॥ १२ ॥ संज्ञानयावकाटिहृदयशयस्त्रिगकेवलस
 ननिर्वाह्यगुणसंज्ञाविधानम् ॥ १३ ॥ सद्धर्मचर्मनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ १४ ॥
 प्राधर्मनाडाश्यामाश्रयदडाक ॥ १५ ॥ सद्धर्मचर्मनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ १६ ॥
 विक्लप्याश्रयाश्रयवर्मचउयत्रायय ॥ १७ ॥ यद्धवायध्यसंज्ञाश्रयनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ १८ ॥

मरुतसूत्रनकाश्रयदडाकानिर्वाह्यगुणसंज्ञाविधानम् ॥ १९ ॥ ॥ शक्तिरूपश्च नादिल ॥ २० ॥
 नद्धर्मचर्मनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ २१ ॥ ॥ सद्धर्मचर्मनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ २२ ॥
 विक्लप्याश्रयाश्रयवर्मचउयत्रायय ॥ २३ ॥ ॥ यद्धवायध्यसंज्ञाश्रयनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ २४ ॥
 कलत्रमेष ॥ २५ ॥ ॥ सद्धर्मचर्मनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ २६ ॥
 विक्लप्याश्रयाश्रयवर्मचउयत्रायय ॥ २७ ॥ ॥ यद्धवायध्यसंज्ञाश्रयनालाखानत्राकाशकः कलत्रमेष ॥ २८ ॥

१० ॥ वेनाच नाम सादिके हानजाति विनाच नृगलुदिया हाना काम सान हान
 यल सन ॥ ११ ॥ विधाना नृजागमनु इममनु ना जागम सार्थ कन मदाय हाना यल सान वि
 इवद सादिके यल सान ॥ १२ ॥ विवद सा ल हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद
 चय सा मान्या मदाय वि ॥ १३ ॥ कल सान चय नाम नीम सा सान मय मनु चय नल सान चय ल
 १४ ॥ विवद सा ल हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद

हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद ॥ १५ ॥ विवद सा ल हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद ॥ १६ ॥
 कोच ना इवद सा ल हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद ॥ १७ ॥
 जमाना का विवद सा ल हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद ॥ १८ ॥
 कल सान चय नाम नीम सा सान मय मनु चय नल सान चय ल ॥ १९ ॥
 २० ॥ हाना यल सान नृजागम नृजागम विवद नृजागम विवद ॥ २१ ॥

[illegible]

जयाशामकल ॥ ९ ॥ मं ३ धाशामदानादनेलाके कलयासदान अकाडा वाउयध
नधावांवाइवनामल ॥ १० ॥ अदमहा नगाथयादानावदत ॥ ११ ॥ नथागरुग
नेनालाहनकाटिनधनरुगुनयायादिद्वयरागहिनादानगर्जन ॥ १२ ॥ धर्मज्ञानवा
महाज्ञावाधर्मगद्यमराधनश्रयनिहितनिर्वाहदडादिधर्मइइहि ॥ १३ ॥ अन्याय
यवानरुगनानान्यामनामयसर्वन्यावहांसडीनडाइवयुनिविषयक ॥ १४ ॥ अय

४ ॥ यो मरुता यो ये ककु क मरु इव न मे मे दि नार्थ म गे ॥ चर्म क कु म हा दय ॥ ४ ॥
 ने नाथे क क मा नां ग ह वि नाथ व ह य जी य पि दा नि स ह क न च न का न ने नाथ म
 ख ल ॥ ५ ॥ लोक ह न गु धा ना स लोक वा स वि डा न वः नाथ ह ना पि ना का या हा
 न हां ना यी न ॥ ६ ॥ ३ ॥ म ग ह ना ग मं ह ग म र्ब ह ना म ग नः इ वि था डु का मं ह ना
 ह व य ज ल दा न हा ॥ ७ ॥ ॥ म मि ना हा मं ह ना मं हा ना र्ब व या न ग ह ना रि य क म क

१०

न स न्य कं व ह ह व हा ॥ ८ ॥ ॥ पि इः य इः य ह म म ह ना न न पि म कि ग ह र्ब व न
 हा नि म क रा का हा म ना ग न ॥ ९ ॥ ॥ म र्ब ह ना म लो मि न ह ना न च ग मं ग नः स र्ब
 स ह म हा ना र म गु हा हा व ल हा व ल ॥ १० ॥ ॥ म र्ब य वि वि नि म क थो म च र्म वि म
 हि न ८ म हा वि ना म नि व ल स र्ब न लो मि ना वि ह ॥ ११ ॥ ॥ म हा क ल न न लो मि ना म हा
 दा य टा ल म ८ स र्ब स लो र्थ क ल क ल हा ना म म ल व ल न ॥ १२ ॥ ॥ म हा डु ह ह का न

[illegible][illegible]

निनामयः सयवृद्धीविवृद्धा सा सध्वः सध्ववित्ययः ॥ २२ ॥
 विज्ञानघमिनामीनस्तेनैव यन्मयध्वानिर्विकल्पनिनालगात्
 यमं द्वाययः ॥ २३ ॥ अर्दिनोनिच नावृद्धादिवृद्धनिनययः कनेक
 यन्नमलाह्वानमकिलधगग ॥ २४ ॥ वागिध्वनमसावायिवादिनादादि
 यंगवः वदनां वनावलिश्ववादिमिहायनाजिन ॥ २५ ॥ समनदध्यामाद्युन

१२

अमालीमदध्वनवृद्धासयययिहिरासमनकनयनि ॥ २६ ॥ महारिध्वन
 ययसलह्वानिल्लनृध्वययह्वयनृकडवाधिमहानिय ॥ २७ ॥ निनायः
 निनकका नृध्यामान्नमधुलदध्यादिरयमययनृध्वमध्वजामसाध्वय ॥ २८ ॥
 कगच्छुकवियनामेणकनृधमधुलयमनखेध्वनृध्यामान्नलद्वयामहाविह
 ॥ २९ ॥ सध्ववृद्धमहागाजसध्ववृद्धासयवध्वसध्ववृद्धमहायागसध्ववृद्धक

साधन ॥ ३० ॥ वज्रनलरिद्वकशुसर्धनसाविद्यध्वनसर्धनाध्वनः ॥ ३१ ॥ सर्ववर्धमसाविर्लिसर्धवर्धमनागतिः ॥ ३२ ॥ वज्रसूर्यमसाकवजश्विमस्युर्यविनागतिमसागतिविध्वव
 र्धकाल ॥ ३३ ॥ सर्ववर्धवज्रयर्थकावर्धमनागतिः ॥ ३४ ॥ दिव्यमायावज्रनागतिविध्वनामसागतिः ॥

१३

वज्रविहाससाधनविध्वयनसाधन ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ सर्ववर्धमसाविर्लिसर्धवर्धमनागतिः ॥ ३७ ॥ सर्ववर्धमसाविर्लिसर्धवर्धमनागतिः ॥ ३८ ॥ सर्ववर्धमसाविर्लिसर्धवर्धमनागतिः ॥ ३९ ॥ सर्ववर्धमसाविर्लिसर्धवर्धमनागतिः ॥ ४० ॥ सर्ववर्धमसाविर्लिसर्धवर्धमनागतिः ॥

लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १० ॥
 चकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ ११ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १२ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १३ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १४ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १५ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १६ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १७ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १८ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ १९ ॥
 लकारः सर्वलक्षणसूत्रकः ॥ २० ॥

॥ १ ॥ कृष्णं यममङ्गलं कृष्णं न सियुदयं कृष्णं विष्णुमनयं लङ्काप्रानवित्रविहस्रन
यश्चक ॥ २ ॥ वाङ्मददृष्टा न कययदनि कय न न नङ्काप्रमद्वन हङ्का लङ्काप्रमद्वन हङ्का
न ॥ ३ ॥ उकयादगनाका न महीमदु न लङ्काप्रमद्वन हङ्का लङ्काप्रमद्वन हङ्का
॥ ४ ॥ उकयादगनाका न महीमदु न लङ्काप्रमद्वन हङ्का लङ्काप्रमद्वन हङ्का
॥ ५ ॥ उकयादगनाका न महीमदु न लङ्काप्रमद्वन हङ्का लङ्काप्रमद्वन हङ्का

कायवर्धविशवकसर्वजनाहिसमयासर्वविरुजनाथविष्णु॥ १७ ॥ नानाया
 ननयायायाजगदर्थविशवकयानपिनयमिश्नान् उकयानहल्लिङ्ग॥ १८ ॥
 कृष्णायुविष्णुदासाकर्मायुजयंकनडायादविहस्रुहिरुयागकाकनीति ॥ १९ ॥
 जिगा ॥ १७ ॥ कृष्णयकसंकृष्णस्युहिनसकासनस्युहियायमदान्नाश्रमाद्यज
 गदर्थका ॥ १८ ॥ सर्वसस्युहिनयाविहनाथनित्राचयकसर्वसत्यमनावि

नयसर्वसत्यमनागि॥ २० ॥ सर्वसत्यमनाकसुविहसमनागनसर्वसत्यमना
 लादिसर्वसत्यमनागि॥ २१ ॥ सिद्धाभाविहसायनसर्वगानिविदर्जिनसिद्धि
 मतिरुवसर्वार्थमिगुप्तसका॥ २२ ॥ यंचरुथार्थनिरुसर्वजनविशवक
 ऊनाहिसंवाधिसर्ववद्वसत्यवयक॥ २३ ॥ श्रनगकायकायागुकायकानिविशव
 कश्रजवत्रयंसदशीनलकउमहाप्रति॥ २४ ॥ समनाहानगथाचउविडगि॥

सर्वसंबद्ध वाच्योद्भवाधि न नूनः ४ श्रुतं क्रामनया निमग्नमनु कलनय ॥ १ ॥
 सर्वमकार्यजनकामहाविहृतं कलनं वा क्रामनया शुच्यविहृतं शुच्यं उक्तं कल ॥ २ ॥
 सत्त्वाका न निजा का नया ७ आर्द्धविहृतं कलनं कलना गिनं च उक्तं नया टिहृतं ११
 ॥ ३ ॥ सर्वं न कनाहिरु समाधिकं लक्षणं विहृतं समाधिकं कायं सर्वं संलग्नं क
 यना ॥ ४ ॥ निमानकायकाया एव न निर्माहवः १२ कदं १३ दिष्टिं न निर्माहवः १४

वज्रगद वदना ॥ ५ ॥ दिवा निदवा द वलं सूनदा दानवाधियुक्तं नडा सूनयु १४ य
 मथं यमथ इव ॥ ६ ॥ उलिन हवका ना न ७ क आला जगदु नूयु गाना दना दिष्टा क
 कर्मदानय निमहन ॥ ८ ॥ मेला सन्न हसनद क नू एव मर्व मि नय हर्गै र्वे व नू मा नू क
 स हान न नं जह ॥ ९ ॥ माया निमान जिहिन च उमान हया क क नू सर्वमान च मूक ना स हव
 ज्ञा नो क नायक ॥ १० ॥ वद य हारि वा शुच्यमान निशा च निहय स र्व नी यो रुमा मा न्या

॥ ४ ॥ माया जाल नमस्तु ते नमस्तु ते नाटक नमस्तु सर्व सत्य सा ज्ञान काय नमस्तु ते
 ॥ ५ ॥ ॐ नियंचन अगस्त्य निगाथयंच ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज

॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज
 ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज ॥ ॥ ॐ सर्व धर्मा एव स एव विष्णु द्विज

यथा यथा सस्यं वृद्धं लब्धम् ॥ ७ ॥ उद्यमं हानमथ यथा ॥ ८ ॥ अथ यथा जालया उद्य
 साहसिका यामहया गतला नयानि ससाधि जालय ननाह गवानगथ गगन अकाम धिलयि
 नरगवनामहृष्टी हानसत्य एव नमार्थ नामसंज्ञिनिय नि ससाय ॥ १० ॥ ॥ यथा यथा उद्य
 लवा रुद्र न गवां नथा गगन हवन शरु सा के शानि नाथ चवं वादिमहासय ॥ ११ ॥ ॥ यथा
 शीम साना जाधि नाज नाज नाज लसक न नाज चक च जम नि नल ना सय न विविध वि

ननावलिसमस्य नजंगक सोर न शी शी शी न नवा हाइल सादी ॥ १२ ॥ ॥ यथा यथा उद्य
 निजजमान कलना नग शानि विद्यु याकं ह कान च नमाह सिंहर सा न व मा यग न
 यानग साथ याद्व श्वनान श ज ह्लासा नामसि धरुव च ना ना यानि स यथा गया म
 डा यन सस्य शनि धर्म चिण उद्य निर या अ थ नामसंज्ञि नि यल क दय कार न
 लिखि नं कलना नजम गृ थ वा सान या शी यजा वा स लस्य नि नं वा या ह न
 न १

वासुदेव

संस्कृत-व्याकरण १८ लि.

संस्कृत-व्याकरण १८ लि.
संस्कृत-व्याकरण १८ लि.
संस्कृत-व्याकरण १८ लि.

संस्कृत-व्याकरण १८ लि.	
68	

सुखीवन



सुखीवन

जगन्नाथ

68